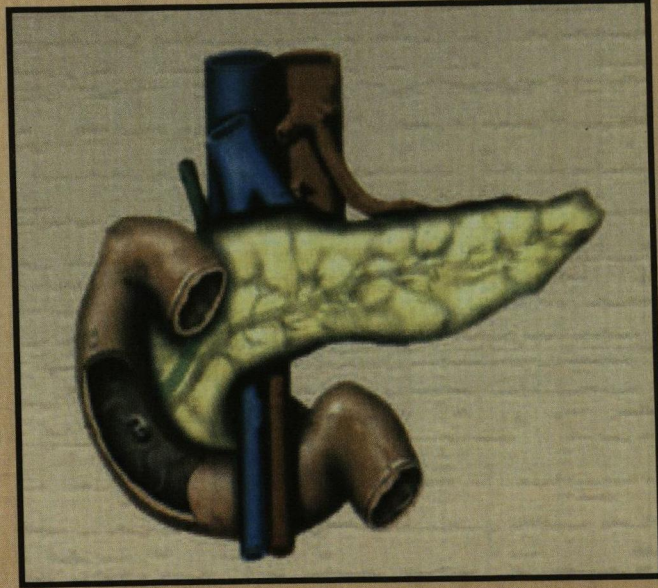


# मधुमेह

## डायबेटीज



केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्  
आयुष मंत्रालय  
(आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)  
भारत सरकार

## मधुमेह क्या है ?

मधुमेह एक आग्न्याशय का रोग है। यह पाचन संस्थान से संबंधित रोग है। जो कि शरीर को कार्बोहाईड्रेट और शर्करा को ईंधन में परिवर्तित करने की क्षमता का अवरोध करता है। इसका निर्धारण उच्चरक्त ग्लूकोस स्तर के द्वारा होता है।

## इसके लक्षण क्या है ?

- अत्यधिक भूख लगना (पालिफगिया)
- अत्यधिक प्यास लगना (पोलिडिसिया)
- अत्यधिक मूत्र स्राव होना (पॉलियूरिया)
- थकान एवं बीमार अनुभव करना
- अनापेक्षाकृत वजन का कम होना
- त्वचा, गम या ब्लाडर आर्बत होना

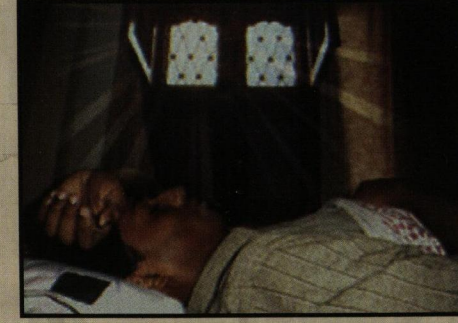


## इसके कारक तत्व क्या है ?

- दही अत्यधिक लेना
- जलचर जीवों के माँस का सुप लेना
- दुग्ध निर्मित सामग्री अत्यधिक लेना
- ताजी उत्पादित खाद्य सामग्री अत्यधिक लेना

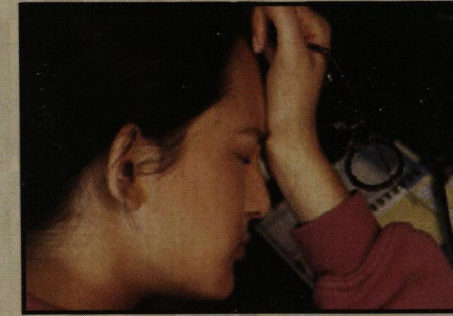
## जीवन शैली :

- सुस्त जीवन का अभ्यस्त होना
- देर समय तक निद्रा लेना खासकर दिवा समय के दौरान
- व्यायाम का अभाव
- अतिरिक्त विलासिता आलस्य में पड़ना
- शारीरिक शुद्धिकरण की उपेक्षा करना
- सभी कफवर्धक कारक तत्व



वंशानुगत : बीज दोष

मानस हेतु : पूरी शक्ति लगाकर देखना, सुनना, तनाव, चिन्ता, शोक, क्रोध, भय, नफरत



## आयुर्वेद के माध्यम से किस प्रकार व्यवस्थित करें ?

आयुर्वेद में मरीज की शारीरिक स्थिति पर उपचार की धारा निर्भर करती है।

- स्थूल प्रमेही- स्थूल मरीज, मधुमेह के साथ शोधन चिकित्सा- दोष के अनुसार शुद्धिकरण प्रक्रिया
- कुश प्रमेही- दुबला एवं कमजोर मरीज मधुमेह के साथ। बृहन चिकित्सा या सनतर्पण-प्रशामक औषधि।

## मधुमेह की समस्या

- 1) हाईपोग्लेसीमिक कोमा
- 2) कीटोफसिदोसिस

